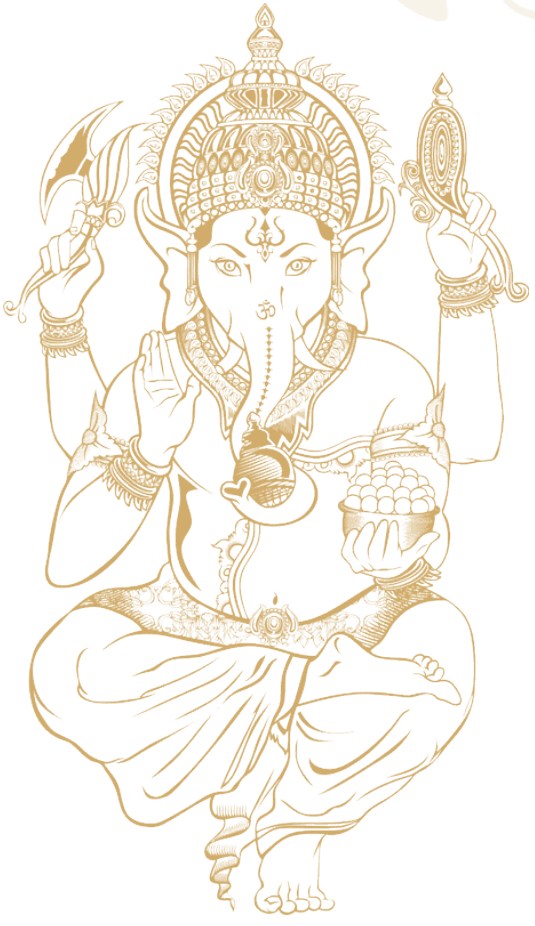

Mrs.pihu kumari

03 Mar 2018

07:05 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121324302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/03/2018**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:05:00 घंटे**
इष्ट	02:38:43 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:25:16 घंटे
वेलान्तर	-00:11:59 घंटे
साम्पातिक काल	18:08:25 घंटे
सूर्योदय	06:01:30 घंटे
सूर्यास्त	17:42:16 घंटे
दिनमान	11:40:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	18:18:32 कुम्भ
लग्न के अंश	08:46:56 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	08:46:56	495:53:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	18:18:32	01:00:09	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	01:56:32	14:04:52	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	27:22:01	00:35:27	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध			मीन	00:00:51	01:51:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	नीच राशि
गुरु			तुला	29:03:23	00:01:09	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	01:00:23	01:14:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शनि			धनु	13:21:19	00:04:14	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	20:39:53	00:03:46	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	20:39:53	00:03:46	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	01:54:11	00:02:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	19:46:05	00:02:17	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो			धनु	26:33:42	00:01:24	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
दशम भाव			धनु	07:49:17	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:27

लग्न-चलित

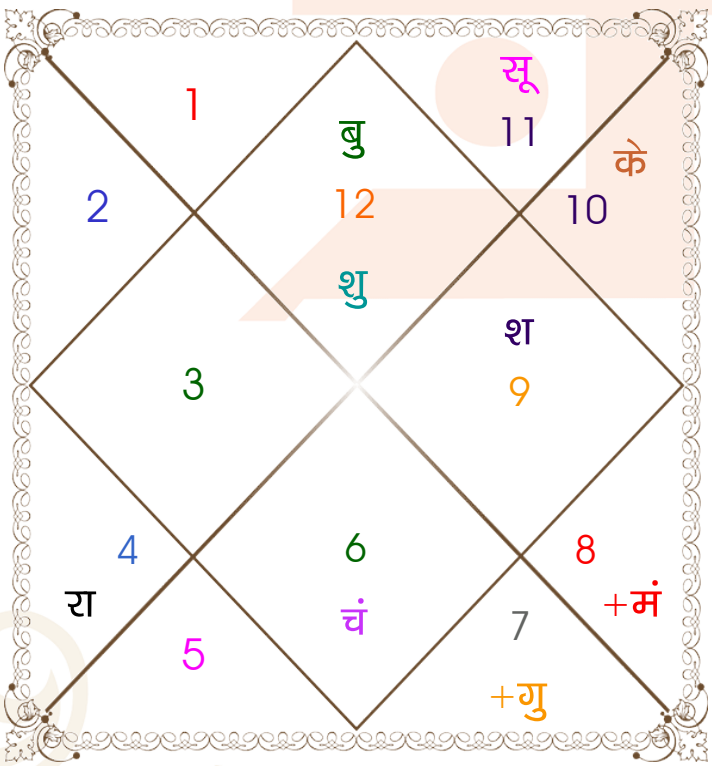

चन्द्र कुंडली

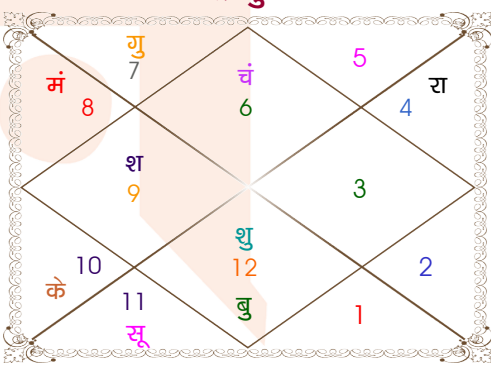

नवमांश कुंडली

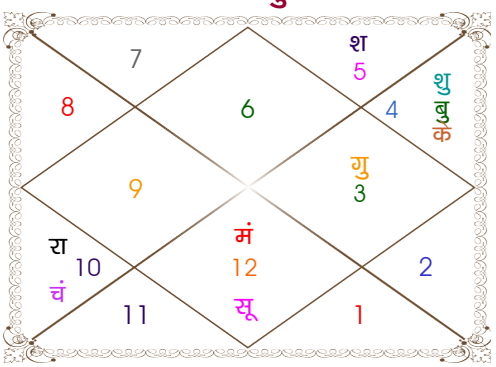

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 7 मास 15 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/03/2018		17/10/2021		18/10/2031		17/10/2038		17/10/2056	
17/10/2021		18/10/2031		17/10/2038		17/10/2056		17/10/2072	
	00/00/0000	चंद्र	18/08/2022	मंगल	15/03/2032	राहु	30/06/2041	गुरु	05/12/2058
	00/00/0000	मंगल	19/03/2023	राहु	02/04/2033	गुरु	23/11/2043	शनि	17/06/2061
	00/00/0000	राहु	16/09/2024	गुरु	09/03/2034	शनि	29/09/2046	बुध	23/09/2063
	03/03/2018	गुरु	16/01/2026	शनि	18/04/2035	बुध	18/04/2049	केतु	29/08/2064
गुरु	24/08/2018	शनि	18/08/2027	बुध	14/04/2036	केतु	06/05/2050	शुक्र	30/04/2067
शनि	06/08/2019	बुध	16/01/2029	केतु	10/09/2036	शुक्र	06/05/2053	सूर्य	16/02/2068
बुध	11/06/2020	केतु	17/08/2029	शुक्र	11/11/2037	सूर्य	31/03/2054	चंद्र	17/06/2069
केतु	17/10/2020	शुक्र	18/04/2031	सूर्य	18/03/2038	चंद्र	29/09/2055	मंगल	24/05/2070
शुक्र	17/10/2021	सूर्य	18/10/2031	चंद्र	17/10/2038	मंगल	17/10/2056	राहु	17/10/2072

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/10/2072		18/10/2091		18/10/2108		19/10/2115		19/10/2135	
18/10/2091		18/10/2108		19/10/2115		19/10/2135		00/00/0000	
शनि	21/10/2075	बुध	15/03/2094	केतु	16/03/2109	शुक्र	17/02/2119	सूर्य	05/02/2136
बुध	30/06/2078	केतु	13/03/2095	शुक्र	16/05/2110	सूर्य	17/02/2120	चंद्र	06/08/2136
केतु	09/08/2079	शुक्र	10/01/2098	सूर्य	21/09/2110	चंद्र	18/10/2121	मंगल	12/12/2136
शुक्र	08/10/2082	सूर्य	17/11/2098	चंद्र	22/04/2111	मंगल	18/12/2122	राहु	05/11/2137
सूर्य	20/09/2083	चंद्र	18/04/2100	मंगल	18/09/2111	राहु	18/12/2125	गुरु	04/03/2138
चंद्र	21/04/2085	मंगल	16/04/2101	राहु	06/10/2112	गुरु	18/08/2128		00/00/0000
मंगल	30/05/2086	राहु	03/11/2103	गुरु	12/09/2113	शनि	19/10/2131		00/00/0000
राहु	05/04/2089	गुरु	08/02/2106	शनि	21/10/2114	बुध	19/08/2134		00/00/0000
गुरु	18/10/2091	शनि	18/10/2108	बुध	19/10/2115	केतु	19/10/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 7 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर ली तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगी। अर्थात् आपका विनाश कर देगी। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दी तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगी। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगी। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगी जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन की स्वामीनी होंगी। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगी। आप समाजिक क्लब की सदस्य होंगी। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगी। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करनी पड़ेगी। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाली बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखती हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करती हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाती हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकती है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करती हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देती हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलती हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति की प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगी तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगी। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकती हैं। यदि आप चयन करेंगी तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।